आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 08.04.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. ग्रेट निकोबार के प्रारूप मुख्य योजना पर सांसद ने आपत्ति जताई। उन्होंने पुराने राजस्व ग्रामों के लिए सरल नियमों की मांग की।
2. भारतीय तटरक्षक बल के विशेषज्ञों ने समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए तेल रिसाव प्रतिक्रिया तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
3. लिटिल अंडमान में पहली बार राष्ट्रीय सर्फिंग चैम्पियनशिप बटलर बे तट पर कल से शुरू होगी।
4. राजधानी श्री जियपुरम में केन्द्रीय द्वीपीय अनुसंधान संस्थान ने कृषि संस्थान की पहल से स्थानीय आजीविका के लिए झींगा पालन की नई तकनीक विकसित की गई।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के सांसद बिष्णु पद रे ने ग्रेट निकोबार द्वीप के विकास क्षेत्र के प्रारूप मुख्य योजना पर अपने विस्तृत सुझाव और आपत्तियाँ प्रस्तुत की है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि रणनीतिक ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित क्षेत्रों और लंबे समय से बसे राजस्व गांवों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए। सांसद ने यह भी कहा कि वह, ग्रेट निकोबार द्वीप के विकास का विरोधी नहीं हैं, बल्कि बड़े बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण और संस्थागत समन्वय के लिए सुनियोजित विकास का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने पुराने गांवों पर जटिल और कठोर शहरी नियोजन नियम लागू करने पर कड़ा विरोध जताया। सांसद के अनुसार, ये गांव पहले से बसे हुए जीवंत समुदाय हैं, जहां लोगों की आजीविका कृषि, मत्स्य पालन और छोटे व्यापार पर आधारित है। ऐसे में अत्यधिक निर्माण नियम और अनुमति प्रक्रियाएँ लागू करना न तो व्यावहारिक है और न ही न्यायसंगत है। सांसद ने एक "डुअल–ट्रैक" मॉडल का सुझाव भी दिया है, जिसमें नए रणनीतिक क्षेत्रों के लिए विस्तृत मास्टर प्लान जारी रहे, जबकि पुराने गांवों के लिए सरल, लचीला और कम नियमों वाला ढांचा अपनाया जाए। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि अंतिम निर्णय लेने से पहले इन प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जाए।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, ने भारतीय तटरक्षक बल के सहयोग से, कल और आज ”तेल रिसाव प्रतिक्रिया प्रशिक्षण” कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तेल रिसाव की घटनाओं से निपटना था, जो द्वीप समूह के नाजुक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हैं। कार्यक्रम, प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य, उमा शंकर की देखरेख में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विभिन्न हितधारक विभागों की तैयारी, समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करना था। यह प्रशिक्षण भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में तेल रिसाव प्रतिक्रिया तंत्र का परिचय, समुद्री वातावरण में तेल का व्यवहार, तेल रिसाव के पर्यावरणीय और सामाजिक–आर्थिक प्रभाव, प्रतिक्रिया रणनीतियाँ, समुद्र तट की सफाई की तकनीकें और समुद्र तट पर व्यवस्था स्थापित करने की प्रक्रियाएँ जैसे प्रमुख पहलू शामिल थे। प्रतिभागियों को कार्बाइन्स कोव तट पर ले जाया गया, जहाँ समुद्र तट के आकलन और सफाई की तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। विभिन्न विभागो के कुल 28 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में आज ‘‘संस्कृति–2026 अंडमान निकोबार इन्टर कॉलेज संस्कृति उत्सव’’ का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह उत्सव 15 अप्रैल तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में शिक्षा सचिव एल. कुमार मुख्य अतिथि तथा शिक्षा निदेशक आदित्य सांगोत्रा सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने देशभक्ति गीत प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। महोत्सव का उद्देश्य छात्रों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान, रचनात्मकता, नेतृत्व और एकता को बढ़ावा देना है। समारोह में छात्रों, शिक्षकों और लोगों की सक्रिय भागीदारी रहीं।

<><><><><><><>

पर्यटन विभाग, भारतीय सर्फिंग फेडरेशन के सहयोग से, पहली बार लिटिल अंडमान में ‘लिटिल अंडमान प्रो–2026’ नामक राष्ट्रीय स्तर की सर्फिंग चैंपियनशिप का आयोजन करने जा रहा है। यह चैंपियनशिप कल से 12 अप्रैल तक बटलर बे बीच पर आयोजित की जाएगी। चार दिवसीय इस चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों सहित लगभग छियासी सर्फर हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता पुरुष और महिला वर्ग में ‘ओपन सर्फिंग शॉर्टबोर्ड’ और ‘ओपन स्टैंड–अप पैडलबोर्ड’ श्रेणियों में आयोजित की जाएगी।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मत्स्य विज्ञान प्रभाग ने पेनियस वन्नामेई झींगे के लिए एक बायोफ्लॉक–आधारित पालन प्रणाली को सफलतापूर्वक मानकीकृत किया है। यह प्रणाली नियंत्रित टैंक स्थितियों के तहत टिकाऊ और उच्च–उपज वाले झींगा उत्पादन की प्रबल क्षमता दर्शाती है। इस प्रणाली का सत्यापन तीन इनडोर गोलाकार बायोफ्लॉक टैंकों का उपयोग करके किया गया। झींगा उत्पादन द्वीप समूह में आजीविका को बेहतर बनाने और स्थानीय झींगा खाद्य उत्पादन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। इस तकनीक को 17 से 19 अप्रैल तक आयोजित होने वाले 'अंडमान खाद्य महोत्सव' में प्रदर्शित किया जाएगा।

<><><><><><><>

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसे 2021 में पूरे देश में एक एकीकृत और समन्वित डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इस मिशन का लक्ष्य डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाकर और स्वास्थ्य डेटा के मानकीकृत, सुरक्षित आदान–प्रदान को सक्षम बनाना है। इस मिशन के तहत, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता तथा स्वास्थ्य ID नागरिकों को एक अद्वितीय डिजिटल स्वास्थ्य पहचान प्रदान करती है। अब जी बी पन्त अस्पताल में सभी आउटपेशेंट डिपार्टमेंट पंजीकरण स्वास्थ्य ID के माध्यम से ही किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य तेज़ OPD सेवाओं, रोगी की सटीक पहचान और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं के बीच मेडिकल रिकॉर्ड के सुरक्षित डिजिटल साझाकरण को सुनिश्चित करना है। जी बी पन्त अस्पताल आने वाले रोगियों को अब OPD पंजीकरण के लिए अपनी ABHA/स्वास्थ्य ID, या अपनी ABHA से जुड़े मोबाइल नंबर, या आधार से जुड़े मोबाइल नंबर को अपने साथ लाना होगा। रोगियों की सुविधा के लिए श्री विजयपुरम के जी बी पन्त अस्पताल, मायाबन्दर के राजेन्द्र प्रसाद अस्पताल और कार निकोबार के बिशप जॉन रिचर्डशन अस्पताल में 'स्कैन एंड शेयर' सुविधा भी शुरू की गई है। इस सुविधा के माध्यम से, रोगी OPD टोकन प्राप्त करने के लिए एक QR कोड स्कैन कर सकते हैं।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन ने सरकारी जमीन की सुरक्षा के अपने सतत प्रयासों के तहत आज गाराचरामा के नौशाद कॉलोनी, भातूबस्ती में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान, सरकारी जमीन पर दो अस्थायी ढांचे और एक बाड़ जैसी नई गैरकानूनी अतिक्रमण संरचनाएं पाई गईं। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इस जमीन को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करवाया। इस कार्रवाई में

लगभग 500 वर्ग मीटर क्षेत्र को मुक्त कर, सरकारी खाता में पुनः दर्ज कराया गया। दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक भूमि पर गैरकानूनी कब्जा न करें और सार्वजनिक संपत्तियों की अखंडता बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। अधिक जानकारी या शिकायत के लिए लोग जिला नियंत्रण कक्ष के फोन नंबर 240–127/238–881/10–70 या व्हाट्सएप नम्बर 9531–88–88–44 पर संपर्क कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

<><><><><><><>